

सूजन की अवस्था



यूरटिकेरिया (हाइव)

प्रमुख बिन्दु

- अधिकाँशतः हाइव का सरलता से दिखायी पड़ने वाला कोई कारण नहीं होता है
- हाइव अधिकाँशतः विषाणुओं के सक्रिय हो जाने से दिखायी पड़ते हैं
- हाइव किन्हीं विशेष खाद्य-पदार्थों के प्रति एलर्जी के कारण भी विकसित हो सकते हैं
- हाइव के दौरे के समय गर्मी से बचें व त्वचा को अधिक से अधिक शीतल बनाये रखने का प्रयास करें
- चिकित्सक निर्दिष्ट एंटीहिस्टैमीन सिरप का तुरन्त सेवन किये जाने से हाइव के उग्र दौरों को भी नियन्त्रित किया जा सकता है
- त्वचा पर लोशन या मलहम लगाने से कोई विशेष अंतर नहीं पड़ता है

यह क्या हैं?

हाइव (यूरटिकेरिया) बच्चों में आम-तौर से होने वाले एक प्रकार के त्वचा-विकार हैं। यह मिनटों में खुजलाहट भरे लाल रंग के छोटे गुमड़ों के रूप में उभर पड़ते हैं। लगभग एक घण्टे तक बने रहने के बाद यह गुमड़े स्वतः ही लुप्त हो जाते हैं व त्वचा फिर से सामान्य हो जाती है। कभी-कभी बच्चों में हाइव खरोचों जैसे भी दिखायी पड़ते हैं। एक बार हाइव उभर जाने के बाद गर्मी से यह और विगड़ जाते हैं व खुजलाहट बढ़ जाती है।

यह शरीर में कहां होते हैं?

चेहरे, धड़, और हाथ-पैरों समेत यह शरीर में कहीं भी उभर पड़ते हैं। अधिकाँश दौरे चंद दिनों तक जारी रहते हैं, जिनके दौरान गुमड़े उभर कर लुप्त होते रहते हैं। कभी-कभी हाइव कई महीनों तक उभरते और लुप्त होते रहते हैं।

इनके क्या कारण हैं?

अधिकाँशतः हाइव के विकसित होने का कोई विशेष कारण नहीं होता है। साधारणतः यह माना जाता है कि किसी विषाणु के संक्रमण से यह अन्यथा स्वस्थ दिखने वाले बच्चों में अचानक उभर जाते हैं। इस स्थिति में हाइव एक सप्ताह में सुधर जाते हैं पर अन्य रोगों के दौरान फिर से उभर पड़ते हैं। कीटाणुओं के संक्रमण से भी हाइव पनप सकते हैं

Hindi – Urticaria (Hives)

और इस स्थिति में एंटीबायोटिक दवाइयों की आवश्यकता पड़ सकती है। स्ट्रॉबेरी या समुद्रीय-भोजन जैसे किन्हीं खाद्य-पदार्थों के प्रति एलर्जी के कारण भी हाइव उभर सकते हैं। कभी-कभी पैनिसिलिन जैसी दवाइयों से भी हाइव उत्पन्न हो सकते हैं।

इनका उपचार कैसे किया जाता है?

शरीर में एलर्जिक प्रतिक्रिया के प्रत्युत्तर में उत्पन्न हिस्टैमीन के कारण त्वचा में खुजली भरे ढाल गुमड़े उठ जाते हैं। इसलिए चिकित्सक निर्दिष्ट एंटीहिस्टैमीन सिरप से इनका उपचार किया जा सकता है। यह सिरप हाइव के अधिकांश दौरों को नियन्त्रित कर सकते हैं। हाइव के दौरे के समय गर्मी से बचना चाहिये, क्योंकि गर्मी से यह और भी बिगड़ जाते हैं। बच्चे की त्वचा पर विकसित खुजलाहट वाले क्षेत्रों को पंखे से हवा दे कर या गीले, ठंडे कपड़े से ढक कर रखने से खुजली घटायी जा सकती है और दौरा जल्दी समाप्त हो सकता है। त्वचा पर लोशन या मलहम लगाने से कोई अधिक अंतर नहीं पड़ेगा।

भोजन से संबंधित हाइव के अधिकांश दौरे खाने के 12 घण्टों के अंदर पड़ते हैं। हाइव का प्रत्येक दौरा पड़ने पर यह पता लगाने का प्रयास करें कि पिछले 12 घण्टों के भीतर आपके बच्चे ने क्या-क्या खाया है। आप इन भोज्य-पदार्थों को पहचान सकते हैं, जिससे भविष्य में आप इनका वर्जन कर सकें।

और अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

जच्चा-बच्चा के लिए प्रशिक्षित नर्स

आपका फार्मैसिस्ट

आपका पारिवारिक चिकित्सक

त्वचा रोग विशेषज्ञ या चिरकाळीन हाइव के लिए प्रशिक्षित एलर्जी विशेषज्ञ